हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

06 हजारों श्रद्धालुओं ने किए मां विजयासन देवी के दर्शन...



07 करेड़ी क्षेत्रवासियों ने लगातार 14वें वर्ष निकाली भव्य चुनरी यात्रा



खबर संक्षेप

सीवन पुत्र नहीं रहने देंगे सीवन में जलकुंभी

सीहोर। सीवन पुत्र टीम सीवन की सबसे बड़ी समस्या जलकुंभी के समाधान हेतु जलकुंभी निकालो अभियान शुरू हुआ,साल भर नदी जल के उद्देश्य को लेकर सीवन पुत्र टीम ने सीवन नाव पूजा का आयोजन किया । सबसे पहले सीवन पुत्र गोपाल आर्य,कानीराम मालवीय,शैलेन्द्र सिंह चंदेल,प्रकाश यादव ने घाट की सफाई की एवं कचरा नदी से बाहर निकला, इस बीच सीवन नाव को फूलों से एवं तिरंगा लगाकर सजाया गया,जिसमें बच्चों को बैठाया गया । सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि इस समय जलकुंभी जल की ऊपरी सतह पर है और आसानी से निकल सकती है लेकिन कुछ महीनों बाद ये अपनी जड़ पकड़ने लगेगी..और जल को ढककर ऊपर जाएगी जहां एक बूंद पानी नजर नहीं आयेगा,जीव जंतु पशु पंछी आदि को पानी की समस्या से जूझना पढ़ेगा साथ ही पीने की जल की समस्या होगी,बोर,नलकूप कुआं बावड़ी सुख जायेंगे,आदि दूषित दिखेगी और विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धाओं को जल उपलब्ध नहीं होंगा इन सबको देखते हुए ये पहल अक्टूबर माह से शुरू की है ताकि पूरे साल सीवन में जल रहे । सीवन पुत्र वैभव राठौर एवं अशोक नामदेव राष्ट्रगीत से जोश भरते रहे, नाव की पूजा की पूजा की गई एवं फीता काटा गया, सामाज सेवी जमुना प्रसाद पाटीदार ने इस पहल की सराहना, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शैलेन्द्र सिंह चंदेल ने नदी संरक्षण हेतु सीवन पुत्र की पहल को राष्ट्रीय पहल बताया,आर्मी से रिटायर्ड रामगोपाल आर्य ने कहा कि सीवन पुत्र टीम जलकुंभी को हटाकर इतिहास रचेंगी।

नवरात्रि के अंतिम सोमवार को सलकनपुर देवी धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

श्रद्धा और उल्लास से मनी महानवमी, आज होगा रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का दहन

दशहरा पर्व को लेकर अलर्ट पुलिस-प्रशासन, एसपी सक्सेना ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शारदीय नवरात्रि की महानवमी का पावन पर्व सोमवार को जिलेभर में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर से लेकर गांव तक माता के जयकारों की गूंज सुनाई दी। हर कोई मां दुर्गा की आराधना में लीन नजर आया। प्रसिद्ध सलकनपुर देवी धाम समेत सभी छोटे-बड़े मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

महानवमी के पावन अवसर पर सलकनपुर देवी धाम पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। पर्व के अंतिम दिन दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने माता विजयासन के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पूरा सलकनपुर पहाड़ी क्षेत्र जय माता दी और माता रानी के जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने लंबी कतारों में लगकर अपनी बारी का इंतजार किया और माता के दरबार में माथा टेका।

मंदिरों में हुए हवन-यज्ञ और विशाल भंडारे

सोमवार को मां के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। जिले के आष्टा, इछावर, सीहोर जिला मुख्यालय, श्यामपुर, बुधनी, रेहटी, भैरुंदा, लाडक्कुई, जावर, मेहतवाड़ा और कोठरी सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख देवी मंदिरों और दुर्गा पंडालों में हवन-यज्ञ का दौर चला। भक्तों ने पूर्णाहुति देकर अपने परिवार, समाज और पूरे जिले की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। इसके साथ ही मंदिरों और चौराहों पर भव्य भंडारों का आयोजन किया गया, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने कतार में लगकर प्रसाद ग्रहण किया।



घरों में गूंजी किलकारी, हुआ कन्या पूजन

मंदिरों के अलावा हर घर में भी महानवमी की विशेष रौनक देखने को मिली। लोगों ने अपने घरों में पूरी श्रद्धा के साथ कन्या पूजन किया। मां के नौ स्वरूपों का प्रतीक मानी जाने वाली नन्हीं कन्याओं के चरण धोकर उनका सत्कार किया गया उन्हें चुनरी ओढ़ाई गई और बड़े प्रेम से हलवा, पूरी और चने का प्रसाद जिमाकर उनका आशीर्वाद लिया गया। घरों का माहौल पूरी तरह से भक्तिमय और पारिवारिक उल्लास से भरा रहा।

आज मनेगा विजयादशमी का पर्व, होगा रावण दहन

नवरात्रि के समापन के बाद आज मंगलवार को जिले भर में विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। असत्य पर सत्य की जीत के प्रतीक इस पर्व पर जिले में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर रावण दहन के भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सीहोर, आष्टा बुधनी, इछावर और रेहटी विधानसभा क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रावण के पुतले जलाए जाएंगे, जिसे देखने के लिए भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, एसपी ने लिया जायजा

दशहरा पर्व पर होने वाले आयोजनों और भीड़भाड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना ने पुलिस बल के साथ जिले के विभिन्न रावण दहन स्थलों का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर मैदानी अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं, ताकि सभी जगह पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

बाल विहार मैदान में होगा भव्य दशहरा उत्सव, तीन घंटे तक होगी सतरंगी आतिशबाजी

बारिश की आशंका को देखते हुए रेनप्रूफ तरीके से तैयार किए गए रावण और मेघनाद के पुतले, अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा मुख्य आशीर्वाददाता के रूप में उपस्थित रहेंगे, इसके अलावा मुख्य अतिथि समिति के मुख्य संरक्षक जसपाल सिंह अरोरा, विशेष अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अमिता अरोरा के मार्गदर्शन में होगा भव्य आयोजन

सीहोर। अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर आज छावनी दशहरा उत्सव समिति के तत्वावधान में बाल विहार मैदान पर भव्य दशहरा उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान आकर्षक सतरंगी आतिशबाजी, धार्मिक कार्यक्रमों और मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियों से उत्सव का माहौल भक्तिमय और उल्लासपूर्ण रहेगा। कार्यक्रम में साधु-संतों का सम्मान भी किया जाएगा। आयोजन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा मुख्य आशीर्वाददाता के रूप में समापन किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि समिति के मुख्य संरक्षक जसपाल सिंह अरोरा, विशेष अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अमिता अरोरा सहित जनप्रतिनिधि, क्षेत्रवासी और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

छावनी दशहरा उत्सव समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि बाल विहार मैदान में करीब 51 फीट ऊंचे रावण और मेघनाद के पुतले स्थापित किए गए हैं। मौसम खराब होने और बारिश की आशंका को देखते हुए पुतलों को रेनप्रूफ तरीके से तैयार किया गया है, ताकि आयोजन में मौसम के कारण बाधा न आए। समिति अध्यक्ष आशीष गहलोत सहित अन्य सदस्यों ने आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुंबई से आए कलाकारों द्वारा आकर्षक आतिशबाजी का प्रदर्शन किया जाएगा।

चांदी में इस सप्ताह 10450 रु./ किलो की गिरावट

सीहोर। नवरात्र के साथ शुरू हुआ चांदी के भाव में गिरावट के दौर से ग्राहकों में खुशी है। एक दिन पहले शनिवार को भाव में सीधे 10 हजार रुपए की गिरावट आई और भाव 2 लाख 11 रुपए प्रति किलो आ गए। सराफा व्यापारियों के अनुसार एक सप्ताह में ही 10 हजार 450 रुपए की गिरावट हुई है। इधर चांदी में भले ही गिरावट का दौर जारी है। लेकिन सोने के स्थिर बने हुए हैं। ऐसे में सोना 1 लाख 46 हजार 500 रुपए प्रति दस ग्राम बिका। वहीं जेवराती सोना 1,35,072 रुपए प्रति दस ग्राम बिका। एक दिन पहले भी यही भाव थे।

सीहोर में तेज हवाओं के साथ बारिश लोगों को गर्मी, उमस से मिली राहत किसान की फसलों को भी फायदा



सीहोर। नगर और आसपास के इलाकों में सोमवार दोपहर मौसम अचानक बदल गया। दोपहर 3 बजे तक लोग तेज गर्मी और उमस से परेशान थे। ठीक 3:10 बजे तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। जिससे शहरवासियों को गर्मी से राहत मिली।

दोपहर बाद आसमान में घने बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। कुछ ही देर में तेज पानी गिरने से मौसम अच्छा हो गया। तापमान में भी कमी आई, जिससे लोगों ने राहत महसूस की। सीहोर जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। रविवार को सीहोर नगर में रुक-रुक कर हल्की फुहारें गिरी थीं। इससे पहले ग्रामीण इलाकों में भी तेज बारिश हुई थी। इस लगातार हो रही बारिश से उमस भरी गर्मी से छुटकारा मिल गया है। किसान और आम नागरिक भी खुश हैं। मौसम विभाग का कहना है कि इस बदलाव से सीहोर के तापमान में और गिरावट आ सकती है।

दशहरे पर जलेगा विद्युत मंडल अधिकारियों के घमंड का रावण

चार माह से आंदोलनरत किसान करेंगे पुतला दहन, 10 सिरों पर लिखेंगे 10 सवाल और मांगें

सीहोर। जिले में विद्युत मंडल के अधिकारियों की कथित लापरवाही के विरोध में किसान एवं समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में ग्रामीण किसान दशहरे पर अधिकारियों के घमंड के प्रतीक रावण का पुतला दहन करेंगे।

किसानों का आरोप है कि खेतों में झूलते 11 केवी बिजली के तारों की शिकायतों के बावजूद समय पर सुधार नहीं किया गया, जिससे करंट लगने से किसान घायल हुए और कई लोगों की जान चली गई।

किसान पिछले चार माह से अधिक समय से सीहोर से भोपाल तक धरना-प्रदर्शन कर ऊर्जा मंत्री, कलेक्टर और पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन दे चुके हैं। उनकी प्रमुख मांग है कि जिम्मेदार अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री और सहायक यंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए। रावण के 10 सिरों पर होंगे किसानों के 10 सवाल एवं विद्युत मंडल अधिकारियों की लापरवाही से खेतों पर झूलते 11 कवि के तार से करंट लगने से घायल किस मौत में किसान की मांगें। इनमें पीड़ित घायल किसान सतीश मेवाड़ा ग्राम -बड़बेली को 25 लाख रुपये मुआवजा एवं सरकारी नौकरी, एवं ग्राम मोहोडीया किसान महिला सुगंध बाई की मौत, पुत्र को मुआवजा एवं सरकारी नौकरी देने खेतों से गांव तक झूलते बिजली के तारों को दुरुस्त करना, विद्युत अधिकारियों की जवाबदेही तय करना और दोषियों पर कार्रवाई करना प्रमुख हैं।

एमएस मेवाड़ा ने कहा कि पुतला दहन के माध्यम से शासन-प्रशासन तक किसानों की आवाज पहुंचाई जाएगी। जब तक पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिलता और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक किसानों का आंदोलन जारी रहेगा।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत लोगों को साफ-सफाई और प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के प्रति किया जागरूक



सीहोर। स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और स्वच्छता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर 2026 को सीहोर प्रधान डाकघर परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय, नारों और गीतों के जरिए आम नागरिकों को स्वच्छता का महत्व समझाया।

कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने डाकघर में उपस्थित ग्राहकों एवं स्थानीय नागरिकों को अपने आसपास साफ-सफाई रखने, कचरे का उचित निस्तारण करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से संदेश दिया गया कि स्वच्छ वातावरण बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और इसमें सभी की सहभागिता आवश्यक है। इस अवसर पर सीहोर डाकघर अधीक्षक प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। घर, कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखकर ही शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सकता है। आयोजन में डाक विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अपने कार्यस्थल और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संकल्प लिया। भारतीय डाक विभाग, सीहोर की यह पहल स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने और नागरिकों को जागरूक करने की दिशा में सराहनीय प्रयास रही।

रविवार 25 अक्टूबर को मनाया जाएगा शरद पूर्णिमा पर्व : पंडित सुनील शर्मा

शरद पूर्णिमा भौतिक संपन्नता और आंतरिक चेतना के जागरण का पर्व



सीहोर । अमृत वर्षा, आरोग्य और मां लक्ष्मी की कृपा का पावन पर्व आश्विन मास शुक्ल पक्ष की शरद पूर्णिमा इस वर्ष 25 अक्टूबर, रविवार को मनाई जाएगी। पंडित सुनील शर्मा के अनुसार, सनातन पंचांग और आध्यात्मिक परंपरा में वर्षभर आने वाली सभी पूर्णिमा तिथियों में शरद पूर्णिमा का स्थान सर्वोपरि और अद्वितीय माना गया है। शरद पूर्णिमा की रात्रि को आरोग्य और मनुष्य की आंतरिक चेतना के जागरण का काल माना जाता है। इस बार शरद पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर को सुबह 11:55 बजे से प्रारंभ होगी, जो 26 अक्टूबर, सोमवार को सुबह 9:40 बजे तक रहेगी।

धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा की पावन रात्रि माता भगवती महालक्ष्मी के धरावतरण की रात्रि है। इस विशेष निशा में धन की अधिष्ठात्री देवी मां भगवती महालक्ष्मी अपने वाहन पर सवार होकर पृथ्वी लोक पर भ्रमण करती है । श्रद्धालु शरद पूर्णिमा की रात्रि में जागरण, भजन-कीर्तन और मां लक्ष्मी की अनन्य साधना करते हैं माता लक्ष्मी उनके घर में सदा-सदा के लिए स्थायी निवास करती हैं और उनके जीवन को सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य और वैभव से परिपूर्ण कर देती हैं।

चंद्रमा की सोलह कलाएं और अमृत वर्षा का आध्यात्मिक रहस्य

शरद पूर्णिमा की रात का आध्यात्मिक और ब्रह्मांडीय रहस्यों से गहरा नाता है। इस रात्रि को चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होकर पृथ्वी के सबसे निकट होता है। आध्यात्मिक दृष्टि से जब चंद्रमा अपनी पूर्ण सोलह कलाओं में होता है, तो उसकी किरणें औषधीय गुणों और अमृततुल्य ऊर्जा से भर जाती हैं। शरद पूर्णिमा की रात को गौमाता के शुद्ध दूध से बनी खीर को खुले आसमान के नीचे मिट्टी के पात्र में रखा जाता है। चंद्रमा की अमृतमयी किरणें जब इस खीर पर पड़ती हैं, तो यह साधारण भोजन न रहकर एक दिव्य औषधि बन जाती है। उक्त खीर का सेवन करने से शारीरिक व्याधियां और बीमारियां शांत होती हैं, बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता इम्यूनिटी में वृद्धि होती है।

शरद पूर्णिमा के विशेष आध्यात्मिक उपाय

पंडित सुनील शर्मा के अनुसार शरद पूर्णिमा के प्रदोष काल में जगतपालक भगवान श्रीविष्णु, माता लक्ष्मी और गौमाता का विधिवत पूजन कर गाय के दूध से बनी सफेद खीर अथवा मखाने की खीर का भोग लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है। रात्रि को कनकधारा स्तोत्र, श्री सूक्त और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना परम फलदाई माना गया है यह पाठ साधक के जीवन में आध्यात्मिक उन्नति के साथ-साथ भौतिक समृद्धि प्रदान करता है शरद पूर्णिमा भौतिक संपन्नता के साथ-साथ हमें अपनी आंतरिक चेतना और आत्मा को भी जाग्रत करना चाहिए। इस पावन रात्रि को अधिक से अधिक समय जप, ध्यान में व्यतीत करें।

आज होगा दुर्गा विसर्जन, जगह-जगह घाटों पर तैनात रहेंगे जवान

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन घाटों का राजस्व और पुलिस अधिकारियों ने किया निरीक्षण



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिले में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

इस संबंध में राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी जिले के विभिन्न विसर्जन घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। निरीक्षण के दौरान विसर्जन घाटों पर सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधा तथा आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक इंतजामों का जायजा लिया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा विसर्जन के दौरान सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए जा रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। प्रशासन द्वारा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। साथ ही, श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे विसर्जन के दौरान निर्धारित सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग करें, जिससे विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न हो सके।

विसर्जन स्थलों पर होमगार्ड व एसडीईआरएफ के जवान तैनात

जिले में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के लिए जिला होमगार्ड कमांडेंट द्वारा ड्यूटी लगा गई हैं। जारी आदेश के अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 से जिले के प्रमुख विसर्जन स्थलों पर होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के जवानों को आवश्यक बचाव उपकरणों के साथ तैनात किया गया है। सीहोर शहर के प्रमुख विसर्जन स्थलों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रमुख स्थलों में टाउन हॉल के पास विसर्जन स्थल, सीवन नदी घाट, ईंटलाईमाता विसर्जन स्थल (करवा), जमोनिया तालाब, श्यामपुर, दोराहा, अहमदपुर, आष्टा, जावर, सिद्धीकगंज, इछावर, भैंरूंदा, गोपालपुर, रेहटी एवं बुधनी के विसर्जन स्थल शामिल हैं। आवश्यकता पड़ने पर जिला मुख्यालय की रिजर्व आपदा टीम को भी तत्काल रवाना किया जाएगा। प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे विसर्जन के दौरान शांति एवं सतर्कता बनाए रखें और सुरक्षा व्यवस्था में तैनात जवानों के निर्देशों का पालन करें, ताकि प्रतिमा विसर्जन का कार्य सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

खबर संक्षेप

फ़र्ज़ी वीज़ा और माइग्रेशन एजेंसियों से सतर्क रहें नागरिक

सीहोर। विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा एडवाइजरी जारी कर विदेशों में रोज़गार और निवास वीज़ा दिलाने के नाम पर सोशल मीडिया पर सक्रिय फ़र्ज़ी वीज़ा एवं माइग्रेशन एजेंसियों से नागरिकों को पूरी तरह सतर्क रहने की सलाह दी गई है। अबू धाबी स्थित भारतीय दूतावास और दुबई एवं उत्तरी अमीरात स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट जनरल) को भारतीय नागरिकों से ऐसी कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें भारत से बाहर (संयुक्त अरब अमीरात सहित) संचालित निजी एजेंसियों द्वारा धोखाधड़ी किए जाने के मामले सामने आए हैं। यह एजेंसियाँ सोशल मीडिया पर आकर्षक विज्ञापन देकर विभिन्न देशों में नौकरी या निवास वीज़ा दिलाने का झूठा दावा करती हैं। आवेदकों से भारी शुल्क वसूलने के बाद न तो कोई वीज़ा या सेवा प्रदान की जाती है और न ही धनराशि लौटाई जाती है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे केवल सोशल मीडिया विज्ञापनों के आधार पर कोई निर्णय न लें और भारत के बाहर से कार्य कर रही निजी एजेंसियों पर बिना गहन जाँच-पड़ताल के भरोसा न करें।

बदलते मौसम में निमोनिया से बचाव व उपचार की दी सलाह

सीहोर। बदलते मौसम में बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आम जनों को सलाह दी है कि निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों को निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं एसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए विभाग तैयार है। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की एएनएम को निमोनिया के संबंध जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केसेस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है। जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें। निमोनिया फेफड़े का संक्रमण है। जिससे फेफड़ों में सूजन हो जाती है। निमोनिया होने पर बुखार खांसी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

शारदीय नवरात्रि में विजयासन देवी धाम सलकनपुर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

हजारों श्रद्धालुओं ने किए मां विजयासन देवी के दर्शन, जिला प्रशासन ने किए व्यापक इंतजाम

नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा मां विजयासन देवी के सुगम एवं सुरक्षित दर्शन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



शारदीय नवरात्रि के पहले दिन से नवमी तक प्रसिद्ध विजयासन देवी धाम सलकनपुर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा। पूरे नवरात्रि पर्व के दौरान मंदिर परिसर और दर्शन मार्ग पर भक्तों की भारी भीड़ रही। लाखों श्रद्धालुओं ने सलकनपुर पहुंचकर मां विजयासन देवी के दर्शन किए और परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं मंगलकामना के लिए प्रार्थना की। दूर-दराज के क्षेत्रों से महिला, पुरुष, बुजुर्गों और बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचे। पूरे धाम में नौ दिनों तक भक्ति, श्रद्धा और माता के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस वर्ष दर्शनार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन ने किए व्यापक इंतजाम : नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा मां विजयासन देवी के सुगम एवं सुरक्षित दर्शन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं के संचालन के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने दायित्वों का गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन किया। मंदिर परिसर और दर्शन मार्ग पर व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के साथ ही श्रद्धालुओं की आवाजाही पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे दर्शनार्थियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

पेयजल, स्वच्छता, बिजली और चिकित्सा सुविधाओं पर रहा विशेष ध्यान

जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, साफ-सफाई, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सुविधा और यातायात प्रबंधन सहित आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। भीड़ के दौरान

आस्था के साथ व्यवस्थाओं का बेहतर समन्वय

मां विजयासन देवी धाम सलकनपुर में नवरात्रि के दौरान उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ क्षेत्र में माता के प्रति लोगों की गहरी आस्था और विश्वास को दर्शाती है। देवी आराधना के इस विशेष पर्व पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। वहीं, जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए किए गए इंतजामों तथा विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों ने पर्व के दौरान व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन और श्रद्धालुओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी लगातार सक्रिय रहे। यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने तथा दर्शन मार्ग पर श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम बनाने पर भी ध्यान दिया गया। प्रशासनिक अमले की सतत सक्रियता से नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं को सुविधाजनक ढंग से दर्शन कराने के लिए व्यवस्थाएं संचालित की गईं।



वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी में आयोजित आईबीसीडी 2026 में आईं 262 प्रविष्टियां, 46 रिसर्च पेपर्स स्प्रिंजर पब्लिकेशन के लिए स्वीकृत



सीहोर । वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी में 'बिजनेस इंटेलिजेंस, कम्प्यूटेशनल मैथमेटिक्स एंड डेटा एनालिटिक्स पर दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में अकैडमिशियंस, रिसर्चर्स, इंडस्ट्री प्रोफेशन्स और स्टूडेंट्स गणित, डेटा साइंस और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के संगम पर हो रहे नए बदलावों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक मंच पर एकत्रित हुए। स्कूल ऑफ एडवांस्ड साइंसेज एंड लैंग्वेजेस द्वारा आयोजित इस कॉन्फ्रेंस को अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और शिक्षा मंत्रालय की पहल 'इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल' का सहयोग प्राप्त था। वहीं, स्प्रिंगर इस कार्यक्रम का पब्लिकेशन पार्टनर रहा।

कॉन्फ्रेंस में कुल 262 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें 212 रिसर्च पेपर सबमिशन और अवॉर्ड व केवल ओरल-प्रेजेंटेशन श्रेणी में 50 प्रविष्टियां शामिल थीं। पीयर-रिव्यू प्रक्रिया के बाद, स्प्रिंजर में पब्लिकेशन के लिए 46 रिसर्च पेपर्स को स्वीकार किया गया, जबकि ओरल, पोस्टर और अवॉर्ड सेशंस में कुल 70 पेपर्स प्रस्तुत किए गए। यह आयोजन वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इसे वाइस प्रेसिडेंट डॉ. शंकर विश्वनाथन, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट कादंबरी एस. विश्वनाथन और ट्रस्टी रमणी बालासुन्दरम का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

उद्घाटन सेरेमनी में भारत सरकार के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन के डायरेक्टर (टेक्नोलॉजी) राज शेखर सिंह चीफ गेस्ट के रूप में शामिल हुए, जबकि जी.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, इंदौर के डायरेक्टर प्रो. नीतेश पुरोहित गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहे। सेशंस के दौरान वाइस चांसलर प्रो. सतीश कुमार मोढ़, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. टी. बी. श्रीधरन, रजिस्ट्रार डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्रा, डायरेक्टर-ऑपरेशन्स डॉ. प्रभाकर एस, डीन्स, डायरेक्टर्स, फैकल्टी मेंबर्स और स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए चीफ गेस्ट राज शेखर सिंह ने डिफेंस सेक्टर के लिए कॉन्फ्रेंस के विषयों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने स्टूडेंट्स से कभी भी सवाल पूछना बंद न करने का आह्वान करते हुए कहा कि इनोवेशन उन्हीं के हाथों में होता है जो कभी सवाल पूछना बंद नहीं करते। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि असफलताएं अक्सर सफलता से ज्यादा सिखाती हैं। उन्होंने कहा, डेटा एनालिटिक्स और कम्प्यूटेशनल पद्धतियां भारत के राष्ट्रीय विकास और रणनीतिक तकनीकी क्षमताओं के लिए लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही हैं।

केसरिया ध्वजों से सजा भैरूंदा, आज निकालेंगे भव्य दशहरा चल समारोह. मातृशक्ति की युवा वाहिनी करेगी शस्त्र प्रदर्शन

भैरूंदा। विजयादशमी के मौके पर मंगलवार को आस्था, शौर्य और सामाजिक समरसता का संगम देखने को मिलेगा। नगर में दशहरा चल समारोह को भव्य स्वरूप देने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रमुख मार्ग केसरिया ध्वजों और रंग-बिरंगी झालरों से सजाए गए हैं। नगर परिषद एवं नवा पारायण समिति के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में भगवान श्रीराम का विजय रथ नगर भ्रमण करेगा। वहीं, मातृशक्ति की युवा वाहिनी का शस्त्र प्रदर्शन इस बार समारोह के प्रमुख आकर्षणों में शामिल रहेगा। इसके साथ ही आकर्षक धार्मिक झांकियां, अखाड़ों के रोमांचक करतब और शाम को 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन उत्सव को विशेष बनाएगा।

इस बार दशहरा चल समारोह में नगर की मातृशक्ति की युवा वाहिनी विशेष रूप से अपनी भागीदारी दर्ज कराएगी। युवा वाहिनी की सदस्याएं शस्त्र प्रदर्शन के माध्यम से साहस, आत्मविश्वास, अनुशासन और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय देंगी। विजयादशमी के अवसर पर होने वाला यह प्रदर्शन नारी शक्ति के सामर्थ्य और आत्मरक्षा के महत्व को भी रेखांकित करेगा। चल समारोह में मातृशक्ति की मौजूदगी आयोजन को एक अलग पहचान देगी। पारंपरिक शौर्य प्रदर्शन के बीच युवा वाहिनी की उपस्थिति यह संदेश देगी कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में महिलाएं भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए समाज को नई दिशा देने में सक्षम हैं। उनकी भागीदारी से समारोह में उत्साह और गौरव का वातावरण बनने की उम्मीद है।

नवापारायण समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत खंडेलवाल के अनुसार इस वर्ष चल समारोह को आकर्षक और भव्य बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। नगर के विभिन्न अखाड़ों के कलाकारों के साथ विशेष मंडली के एक दर्जन से अधिक कलाकार हैरतअंगेज करतब दिखाएंगे। ढोल-ताशे, नगाड़ों और घोड़ों की टोली के बीच मातृशक्ति की युवा वाहिनी का शस्त्र प्रदर्शन चल समारोह की शोभा बढ़ाएगा।

दोपहर 3 बजे श्रीराम मंदिर से निकलेंगे विजय रथ

दशहरा चल समारोह दोपहर 3 बजे गांधी चौक स्थित छोटा बाजार के श्रीराम मंदिर से प्रारंभ होगा। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान बग्घी पर सवार होकर नगर भ्रमण करेंगे। चल समारोह में चलित हनुमान की आकर्षक झांकी, भगवान शिव परिवार और हनुमान जी की विशेष झांकी के साथ शुभम कॉन्वेंट स्कूल द्वारा तैयार की जा रही भव्य झांकी भी शामिल रहेगी। धार्मिक झांकियों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के बीच निकलने वाला यह चल समारोह नगरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है और नगर के प्रमुख मार्गों को केसरिया ध्वजों से सजाया गया है। चल समारोह के दुर्गा चौक पहुंचने पर मुस्लिम कमेटी द्वारा स्वागत किया जाएगा। यह परंपरा भैरूंदा में आपसी सद्भाव और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करेगी। इसके बाद शाम 6 बजे खेड़ापति हनुमान मंदिर पर महाआरती होगी। यहां से चल समारोह उत्कृष्ट विद्यालय स्थित दशहरा मैदान पहुंचेगा, जहां रावण दहन का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

शाम 7:30 बजे होगा 51 फीट ऊंचे रावण का दहन

दशहरा मैदान पर शाम को अखाड़े के हिरत अंग्रेज प्रदर्शन शुरू हो जाएंगे इस दौरान यहां पर भव्य आतिशबाजी देखने को मिलेगी। भजनों की प्रस्तुतियों के बीच श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण का आनंद लेंगे। इसके बाद शाम 7:30 बजे भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान के साथ प्रतीकात्मक युद्ध के पश्चात 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। रावण दहन के साथ होने वाली भव्य आतिशबाजी उत्सव के उल्लास को और बढ़ाएगी। मैदान में महिलाओं के बैठने के लिए विशेष व्यवस्था भी की गई है।

नगर को सजाया, व्यापारियों से प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील

नवा पारायण समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत खंडेलवाल ने बताया कि चल समारोह की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। नगर के प्रमुख मार्गों पर केसरिया ध्वज और झालरें लगाई गई हैं। उन्होंने कहा कि विजयादशमी असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। समिति के सदस्यों ने व्यापारियों से अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर चल समारोह को भव्य और व्यवस्थित बनाने में सहयोग देने की अपील की है। वहीं दूसरी और दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस एवं प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। थाना प्रभारी घनश्याम दांगी के अनुसार, चल समारोह के दौरान मुख्य मार्गों पर वाहनों का आवागमन डायवर्ट किया जाएगा। प्रमुख चौराहों, चल समारोह मार्ग और दशहरा मैदान पर पुलिसकर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके और नागरिक सुरक्षित माहौल में पर्व मना सकें।

नगर परिषद अध्यक्ष ने सभी नगरवासियों और क्षेत्रवासियों से दशहरा चल समारोह में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नगर के इस पारंपरिक और धार्मिक आयोजन को सभी मिलकर भव्य बनाएं तथा आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ विजयादशमी का पर्व मनाएं।

गांव में खेल मैदान नहीं, 10 किलोमीटर दूर जाकर करती है अभ्यास, शालिनी पेठारी का अंडर-17 राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में चयन



मैरुंदा। मेहनत, लगन और कुछ कर दिखाने का जज्बा हो तो मुश्किल परिस्थितियां भी सफलता की राह नहीं रोक सकतीं। इसका उदाहरण तहसील क्षेत्र के ग्राम गिल्लोर की बेटी शालिनी पेठारी ने पेश किया है। गांव में खेल मैदान नहीं है और परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत नहीं है, इसके बावजूद शालिनी ने क्रिकेट खेलने का अपना सपना नहीं छोड़ा। वह रोजाना करीब 10 किलोमीटर दूर मैरुंदा आकर क्रिकेट का अभ्यास करती हैं। कभी बस से तो कभी रास्ते में परिचितों से लिफ्ट लेकर स्टेडियम पहुंचती हैं। सुविधाओं की कमी और आने-जाने की परेशानियों के बीच लगातार मेहनत करने का ही परिणाम है कि शालिनी का चयन 70वीं राज्यस्तरीय अंडर-17 बालिका शालेय क्रीड़ा क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 23 से 28 अक्टूबर तक शिवपुरी में आयोजित की जाएगी। शालिनी के चयन से उनके परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। शालिनी पेठारी मैरुंदा की सैफरॉन क्रिकेट एकेडमी की खिलाड़ी हैं। वह पिछले कई दिनों से एकेडमी के हेड कोच राकेश पंवार (रक्का) की देखरेख में क्रिकेट का अभ्यास कर रही हैं। खास बात यह है कि कोच राकेश पंवार आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए निःशुल्क अभ्यास और प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। शालिनी के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके लिए खेल से जुड़ी सुविधाएं जुटाना आसान नहीं है। इसके बावजूद क्रिकेट के प्रति उनका जुनून कम नहीं हुआ। गांव में खेल मैदान नहीं होने से उन्हें रोजाना अभ्यास करने के लिए मैरुंदा आना पड़ता है। आने-जाने में समय और परेशानी लगने के बाद भी उन्होंने नियमित अभ्यास जारी रखा। शालिनी की मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। अब राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। सैफरॉन क्रिकेट एकेडमी के हेड कोच राकेश पंवार ने शालिनी के चयन पर खुशी जताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि शालिनी मेहनती और अनुशासित खिलाड़ी हैं। वह क्रिकेट को लेकर गंभीर रहती हैं और अभ्यास के दौरान पूरी लगन से मेहनत करती हैं। आर्थिक परेशानियों और गांव में खेल मैदान की सुविधा नहीं होने के बावजूद उनका नियमित रूप से अभ्यास करने आना उनके खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। कोच ने बताया कि एकेडमी में शालिनी को निःशुल्क अभ्यास और प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि आर्थिक परेशानियां उनकी प्रतिभा के विकास में बाधा न बनें। उन्होंने उम्मीद जताई कि शालिनी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन कर अपने गांव, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगी। शालिनी की सफलता ग्रामीण क्षेत्रों की उन बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सपना देखती हैं। उनकी उपलब्धि यह भी बताती है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या सुविधाओं की मोहताज नहीं होती, जरूरत होती है मेहनत के साथ सही मार्गदर्शन और अवसर की। हालांकि, गांवों में खेल मैदान और प्रशिक्षण की पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने से कई प्रतिभाशाली बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्राम गिल्लोर की शालिनी को भी अभ्यास के लिए रोजाना 10 किलोमीटर दूर मैरुंदा जाना पड़ता है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदान और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत है, ताकि बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े। फिलहाल, शालिनी का राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन उनके संघर्ष और मेहनत की सफलता है। अब क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि वह प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर आगे भी सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल करेंगी।

राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

दुर्गा वाहिनी की बहनों ने किया शस्त्र पूजन शस्त्र प्रदर्शन कर दिखाया आत्मरक्षा का कौशल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेहटी





विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति के संयुक्त तत्वावधान में जिला बुधनी के बिजासन प्रखंड अंतर्गत नगर रेहटी स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में शस्त्र पूजन एवं शस्त्र प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दुर्गा वाहिनी की बहनों ने शस्त्रों का पूजन करने के साथ ही विभिन्न शस्त्रों का संचालन कर अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान दुर्गा वाहिनी की बहनों ने शस्त्र संचालन का प्रदर्शन करते हुए आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता और साहस का परिचय दिया। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं एवं युवतियों में आत्मविश्वास, साहस और आत्मरक्षा की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर दुर्गा वाहिनी की जिला संयोजिका बहन आरती यदुवंशी, जिला मातृशक्ति संयोजिका ममता सेंगर, विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के जिला मंत्री राजू भाई जाट, जिला सहमंत्री धर्मेंद्र नागर, जिला संयोजक लल्ला यादव तथा जिला सुरक्षा प्रमुख मोनू हिंदू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शस्त्र पूजन में सहभागिता की। राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दुर्गा वाहिनी की बहनों द्वारा किए गए शस्त्र प्रदर्शन ने आयोजन को विशेष स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन धार्मिक एवं संगठनात्मक वातावरण में हुआ।

मरीह माता मंदिर में 7 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रसादी

सीहोर। शहर के विश्रामघाट स्थित करीब 150 वर्ष प्राचीन चौसट योगिनी मरीह माता मंदिर में शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन सोमवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। माता रानी के दर्शन और पूजन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा। मंदिर के बाहर दिनभर भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। पूरा मंदिर परिसर मां शेरावाली के जयकारों से गूंज उठा और यहां मेले जैसा माहौल बना रहा। नवमी के अवसर पर मंदिर में मां सिद्धिदात्री की विशेष पूजा-अर्चना की गई। सुबह सात बजे से हवन-पूजन की शुरुआत हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन की पूर्णाहुति और महाआरती संपन्न हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने हवन में आहुतियां अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर में माता का विशेष श्रृंगार भी किया गया। नवमी के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सात हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। मंदिर के व्यवस्थापक गोविंद मेवाड़ा, रोहित मेवाड़ा और भंडारे में सहयोग करने वाले जोगेंद्र रावत सहित अन्य सेवाभावी लोगों ने माता रानी को प्रसादी का भोग अर्पित किया। इसके बाद सुबह 10 बजे से देर शाम तक श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था के अनुसार हवन-पूजन किया और कन्याओं को भोज कराकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। घंटे-घड़ियालों की गूंज और माता के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय बना रहा। जिला संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि मरीह माता मंदिर में प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्रि के दौरान नौ दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। इस वर्ष भी महाष्टमी पर महानिशा महाआरती और विशेष अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार कासमी एज्युकेशन एण्ड वेलफेयर सोसायटी व्दारा सचिव श्री मोहम्मद फरीद खान कार्यालय पता 68 टोलवाली मस्जिद रोड मोतिया पार्क भोपाल ने भूमि स्वामी सर्वज्ञदेव जैन आ० विमल कुमार जैन, राजीव जैन आ० बाबूलाल जैन दोनो निवासीगण लालाखाटी गुफा मंदिर रोड जैन कॉलोनी भोपाल जिला भोपाल के स्वत्व व आधिपत्य की कृषि भूमि खसरा नं0 5/1/2,5/2,5/4,6,7,11/2 कुल 6 किता रकबा 11.22 एकड़ भूमि ग्राम श्यामपुर तह० श्यामपुर जिला सीहोर म0प्र0 में स्थित उक्त भूमि को मेरे पक्षकार ने क्रय करने का अनुबंध कर बयाना राशि अदा की है।
यदि उपरोक्त भूमि पर किसी व्यक्ति का कोई हक हित अधिकार या हिस्सा हो या उक्त भूमि पर किसी बैंक या वित्तीय संस्था का कोई बकाया देय शेष हो या उक्त भूमि के विक्रय समव्यवहार से किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय लेखो प्रमाण के इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मेरे समक्ष प्रस्तुत कर देवे बाद म्याद मेरा पक्षकार उपरोक्त भूमि का विधिवत विक्रय पत्र निष्पादित करा लेवेगा इसके बाद कोई भी आपत्ति या दावा मेरे पक्षकार बंधनकारी व मान्य नही होगा। सर्वसाधारण को सूचित होवे।

भवदीय: सुरेंद्र सिंह राजपूत, एडवोकेट
पटेल कॉलोनी सीहोर म.प्र.
मो. 9039802674

18 किमी पदयात्रा करते हुए जालपा धाम पहुंची यात्रा, जयकारों से गूंजा दरबार

करेड़ी क्षेत्रवासियों ने लगातार 14वें वर्ष निकाली भव्य चुनरी यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

पिछले नौ दिनों से जिलेवासी माता की भक्ति में रमे हुए हैं। स्थान-स्थान पर चुनरी यात्राओं, कन्या भोज, भंडारे, भंजन संध्या, गरबा सहित अन्य धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। इसी कड़ी में नवरात्रि की अष्टमी पर मुख्यालय समीपस्थ करेड़ी सहित आसपास के बाशिंदों ने लगातार 14 वर्ष मां जालपा चुनरी यात्रा का आयोजन किया। मां शैलपुत्री नवदुर्गा उत्सव समिति और ग्रामवासियों के सहयोग से माता की चुनरी को थामे करीब 18 किमी की पदयात्रा करते हुए सभी मां जालपा धाम पहुंचे। ढोल-ढमाकों और डीजे पर माता के भजनों की प्रस्तुति पर 256 मीटर लंबी चुनरी यात्रा निकालते हुए सभी ने जिले की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई।



पूजा-अर्चना उपरान्त आरंभ हुई यात्रा

रविवार को ग्राम करेड़ी के शीतला माता मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद चुनरी यात्रा प्रारंभ हुई। डीजे पर गूंजते माता के भजनों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। यात्रा में महिलाएं, पुरुष, युवा, बच्चे और बुजुर्ग उत्साह के साथ शामिल हुए। कोई मां के जयकारे लगाता नजर आया तो कोई भजनों की धुन पर झूमते हुए आगे बढ़ता रहा। 18 किलोमीटर का रास्ता श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ तय किया।

बरसे फूल, फलाहार और शीतल जल से सेवा

करेड़ी से राजगढ़ स्थित मां जालपा धाम तक निकली चुनरी यात्रा का कई स्थानों पर स्वागत किया गया। कुंडीबे जोड़, नाना गांव, बरखेड़ा, सरेड़ी जोड़, मंडी गेट, खिलचीपुर नाका और देवझिरी सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और धार्मिक बंधुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया। पदयात्रियों के लिए फलाहार और शीतल जल की व्यवस्था भी की गई। जगह-जगह मिले इस स्वागत से यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का उत्साह और बढ़ गया।

14 साल से निभा रहे आस्था की परंपरा

ग्राम करेड़ी से लगातार 14वें वर्ष निकाली गई चुनरी यात्रा में ग्रामीणों की भागीदारी और श्रद्धा देखने लायक रही। महिला-पुरुषों के साथ बच्चों और बुजुर्गों ने भी पैदल चलकर मां के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। मां जालपा के दरबार में श्रद्धालुओं ने जिलेवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की। साथ ही क्षेत्र में आपसी प्रेम, भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भाव बना रहने की प्रार्थना की। चुनरी यात्रा में ग्राम करेड़ी के ग्रामीणों सहित बड़ी संख्या में धार्मिक बंधु, माताएं-बहनें और अन्य श्रद्धालु शामिल हुए।

नेशनल हाईवे पर खड़ी बस में ट्रक घुसा आठ यात्री घायल, एक शाजापुर रेफर

नेशनल हाईवे पर सुबह छह बजे हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर



नेशनल हाईवे पर रविवार सुबह करीब 6 बजे यात्रियों से भरी एक खड़ी बस में पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में आठ लोग घायल हो गए। इनमें पांच गंभीर रूप से घायल हुए, जबकि दो को मामूली चोटें आईं। एक गंभीर घायल को प्राथमिक उपचार के बाद शाजापुर रेफर किया गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, कमला बस क्रमांक यूपी 78 सी इंदौर से अशोकनगर जा रही थी। सारंगपुर नेशनल हाईवे पर यात्रियों को बाथरूम कराने के लिए बस रोकी गई थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक क्रमांक यूपी 32 क्यूएन 3488 ने बस को टक्कर मार दी। बस में करीब 40 यात्री सवार थे।

हादसे में यह हुए घायल

हादसे में देवेंद्र पिता राजू केवट (17), निवासी बजरंगगढ़, महक पिता जितेंद्र वंशकार (17), निवासी ललितपुर, पिंकी पति रामसेवक अहिरवार (23), निवासी अशोकनगर, राधिका पिता गोपाल वंशकार (16), निवासी मुंगावली, बस चालक जितेंद्र पिता हरिसिंह रघुवंशी (42), निवासी डगोरपुर, सोनू पिता हरिसिंह (36), निवासी अशोकनगर, गंगाराम पिता रघुवर अहिरवार (36), निवासी सेमरा पहाड़ और रविशंकर पिता जागरणरायण यादव (45), निवासी लखनऊ घायल हुए।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस



घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल सारंगपुर पहुंचाया। वहीं, ट्रक चालक को ट्रक सहित पुलिस ने हिरासत में ले लिया। अन्य यात्रियों के सुरक्षित होने की पुष्टि के बाद थाना प्रभारी ने उनके गंतव्य तक पहुंचने के लिए दूसरी बस की व्यवस्था कराई। जानकारी लगने पर राज्य मंत्री डॉ गौतम टेटवाल ने मरीजों का हाल जाना।

दो घंटे तक बहता रहा हजारों लीटर पानी

केबल डालने के दौरान फूटी पानी की पाइपलाइन, आपूर्ति प्रभावित



सारंगपुर। नगर में एक कंपनी द्वारा जमीन के अंदर केबल डालने का काम किया जा रहा है। इस दौरान सिविल अस्पताल के सामने आड़ी बोरिंग करते समय पानी की पाइपलाइन फूट गई। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से हजारों लीटर पानी सड़क पर बह गया। करीब दो घंटे तक पानी बहता रहा, जिससे पानी की बर्बादी हुई। वहीं, पाइपलाइन फूटने के कारण आसपास के कई घरों में पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हुई और रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, एक कंपनी की ओर से नगर में केबल बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसी काम के दौरान सिविल अस्पताल के सामने जमीन के नीचे आड़ी बोरिंग की जा रही थी। इसी दौरान पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें से पानी बहने लगा। पाइपलाइन फूटने के बाद सड़क पर पानी फैल गया। इसके बावजूद करीब दो घंटे तक पानी बहता रहा, जिससे बड़ी मात्रा में पेयजल बर्बाद हो गया। सूचना मिलते ही नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची। नगर पालिका अमले ने स्थिति का जायजा लिया और कंपनी के मैनेजर को फटकार लगाते हुए क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

अस्पताल के रिकॉर्ड समेत सभी पहलुओं की जांच शुरू

नवजात बालिका का शव मिलने से नगर में मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरावर



एक ओर शारदीय नवरात्रि के दौरान नगर में मां दुर्गा की आराधना, अखंड ज्योत, यज्ञ-हवन और कन्या भोज के आयोजन किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुरावर में नवजात बालिका का शव नाले में मिलने का मामला सामने आया है। नगर परिषद क्षेत्र के लसूड़िया रामनाथ स्थित वार्ड क्रमांक-2 के भील मोहल्ले में सरकारी स्कूल के पीछे बने नाले में नवजात का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मामले की सूचना वार्ड क्रमांक-1 के पार्षद दिलीप सिंह बना ने पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए नरसिंहगढ़ भेजा। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेल रहे बच्चों की नजर पड़ी, परिजनों ने पुलिस को दी सूचना

जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 12 बजे कुछ छोटे बच्चे नाले के समीप खेल रहे थे। इसी दौरान एक बच्चे ने नाले में पानी के ऊपर तैरता हुआ नवजात का शव देखा। बच्चे ने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जितेंद्र मवई और उप निरीक्षक कर्मवीर सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने नवजात के शव को नाले से बाहर निकलवाया और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

जन्म के 24 घंटे भी पूरे नहीं होने की आशंका

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नवजात के शव की स्थिति को देखते हुए उसके जन्म को 24 घंटे से कम समय होने की आशंका जताई जा रही है। शव बालिका का बताया जा रहा है। पुलिस को नवजात के शरीर पर गर्भनाल (अंबिलिकल कॉर्ड) भी लगी मिली। इससे जन्म के तुरंत बाद उसे नाले में फेंके जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि, जन्म के समय और मृत्यु के कारणों की आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा चिकित्सकीय जांच के बाद ही हो सकेगी। मामले पुलिस का कहना है कि मोहल्ले से सूचना मिली थी कि नाले में एक नवजात का शव तैरता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए नरसिंहगढ़ भेजा है। मामले में अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। डीएनए और फोरेंसिक जांच के माध्यम से आगे की जांच की जाएगी।

शीतला माता की सामूहिक आरती उतारी

शीतला माता मंदिर पर कन्या भोज का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जीरापुर



शीतला माता मंदिर पर कन्या भोज एवं कन्या पाद पूजन का आयोजन हुआ। महिला मंडल द्वारा आयोजित शारदीय नवरात्रि उत्सव के उपलक्ष में 23 वें वर्ष में जगत जननी शीतला माता के दरबार में कन्या भोज का आयोजन में शीतला माता की पूजा अर्चना चुनरी चढ़ाकर सामुहिक आरती उतारी गई।

तत्पश्चात कन्या भोज प्रारंभ हुआ जिसमें बड़ी संख्या में कन्याओं ने सम्मिलित होकर महाप्रसादी ग्रहण की। महिला मंडल सदस्यों द्वारा कुमकुम अक्षत से तिलक लगाकर पाव पूजन कर आशीर्वाद लिया गया। नगर स्थित शीतला माता के दरबार में जो भक्त सच्चे मन से हाजिरी लगाते हैं माता रानी सबकी मुरादें पूरी करती है, यही नहीं यहां पर हर जाति धर्म के लोग विवाह समारोह के पूर्व माता पूजन करने पहुंचते हैं। जहां पर शादी विवाह लग्न सरा के समय एक दिन में कभी कभी तो लगभग दस से बीस वर बधु माता पूजन करने पहुंचते हैं जो क्रम से पुजा अर्चना करके मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ करते हैं। यहां पर नवरात्रि में प्रतिदिन माताजी वाला सोनी परिवार द्वारा संध्या आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन पहुंच कर मां शीतला के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण करते हैं।

प्रभु की शरण में आए व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है

मंदसौर। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। धर्मदर्शन के विद्वान पं. देवेश्वर जोशी ने कहा कि प्रभु की शरण में आया व्यक्ति सभी पापों से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। कर्तव्य पालन करने वाले को कभी पाप का भागी नहीं बनना पड़ता है। श्रीमद् भगवत गीता में श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को कर्तव्य बोध कराने के लिये दिया गया उपदेश सबके लिये उपादेय है। आपने कहा कि रावण का बुराईयों के प्रतीक के रूप में अंत करके मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम ने मानव को श्रेष्ठ आचरण की प्रेरणा दी है। प्रमुख वक्ता प्रकाश रातड़िया ने कहा कि मानव जब विवेक, अंतःकरण व आत्मा की आवाज का बोध कर श्रेष्ठ आचरण करता है तब उसकी श्रेष्ठता प्रमाणित होती है। आपने कहा कि मनुष्य का विवेक प्रमाद के कारण आवृत हो जाता है। काम, क्रोध, मोह, लोभ, अहंकार आदि कषाय विवेक अनुसार व्यवहार करने में बाधक होते है इसलिये कषायों को संयम से निषिद्ध करना उचित है। वरिष्ठ साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि अपनी हैसियत से परे प्रदर्शन करना दुखदायी होता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप में जीवन यापन करना चाहिये। सुरेश पण्ड्या, अमन जैन, राजेन्द्र तिवारी, विनोद चौबे, राजकुमार जसवंत ने मंगलाचरण, गीत, भजन विचार रखे।

विजयदशमी पर दो स्थानों पर होगा रावण दहन

शामगढ़/मंदसौर। बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक माना जाने वाला विजयदशमी पर रावण दहन दो स्थानों पर होगा जिसमें सार्वजनिक दशहरा समिति का रावण ' शांतिकुंज पर होगा जिसकी शोभायात्रा सुवासरा रोड स्थित श्री राम मंदिर से बैड बाजो के साथ राम लक्ष्मण हनुमान बग्घी में सवार होकर प्रारंभ होगी जोकी नगर के मुख्य मुख्य मार्गो से निकलकर रावण दहन स्थल शांतिकुंज पर पहुंचेगी जहां पर भव्य आतिशबाजी के साथ रावण के पुतले का दहन किया जाएगा वहीं पंजाबी समाज की शोभायात्रा राम लक्ष्मण हनुमान बग्घी में सवार होकर राधा कृष्ण मंदिर पंजाबी कॉलोनी से बैंड बाजों के साथ प्रारंभ होगी जोकि नगर के मुख्य मुख्य मार्गो से निकलकर रावण दहन स्थल परासली रोड गांधीनगरपहुंचेगी जहां पर भव्य आतिशबाजी के साथ रावण दहन किया जाएगा वहीं दूसरे दिन नीम चौक पर भरत मिलाप का आयोजन भी किया जाएगा।

भरे गए महाराणा प्रताप चौराहा के गड्ढे

मंदसौर। नपाध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर के निर्देश पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रेम कुमार सुमन, नपा उपयंत्री राहुल गढावा की उपस्थिति में महाराणा प्रताप बस स्टैंड चौराहा पर पेचवर्क किया गया। प्रयोग के तौर के पर निजी कम्पनी के प्रतिनिधियों ने यहाँ पहुँचकर जर्मन तकनीक से पेचवर्क किया। रोक्सन स्टार पेचफिक्स कंपनी के राजेश शाह ने नपा के कर्मचारियों की मदद से यहाँ पेचवर्क किया। निजी कम्पनी का दावा है कि यह पेचवर्क लगने समय तक हर मौसम में टिका रहता है । मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रेम कुमार सुमन ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि नगर परिषद ने केवल प्रयोग के तौर पर यहाँ गड्ढा भरने अर्थात पेचवर्क करने की अनुमति दी । नपा ने अभी कोई इसका टेंडर या वर्क आर्डर नहीं दिया है ।

महादेव विहार, रामटेकरी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नवरात्रि महोत्सव

मंदसौर। महादेव विहार, रामटेकरी में ऋणमुक्तेश्वर महादेव एवं बालाजी मंदिर परिवार के तत्वावधान में नवरात्रि महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। महोत्सव के दौरान माता रानी की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नवरात्रि के दौरान नियमित रूप से गरबा एवं डांडिया कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें उत्सव का पारंपरिक रंग देखने को मिला। साथ ही चेयर रेस सहित मनोरंजक खेलों, नृत्य प्रस्तुतियों, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। महोत्सव में कन्या पूजन का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में प्रतिभागियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। पूरे आयोजन में धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का सुंदर समन्वय देखने को मिला। इस महोत्सव के माध्यम से क्षेत्र में उत्सव, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक मेल-जोल की भावना को प्रोत्साहन मिला।

हिन्दू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल ने स्वच्छता दूतों का किया आत्मीय स्वागत व सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर



स्नेह नगर स्थित प्रसिद्ध श्री अमलेश्वराय बालाजी मंदिर प्रांगण में आयोजित नवरात्रि महोत्सव उस समय सामाजिक समरसता का केंद्र बन गया, जब अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल ने शहर की स्वच्छता की कमान संभालने वाले सफाई कर्मचारियों का भव्य स्वागत किया। मंदिर परिसर में उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता दूतों पर पुष्प वर्षा की और उन्हें शाल-श्रीफल प्रदान कर उनके सेवा कार्य को नमन किया। समारोह के दौरान अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, मंदसौर के जिलाध्यक्ष विनोद जाट ने कहा कि शहर को स्वच्छ और स्वास्थ्यप्रद बनाए रखने में सफाई कर्मचारियों की भूमिका सबसे अग्रणी रहती है। विपरीत परिस्थितियों में भी वे दिन-रात अपने कर्तव्य का पालन करते हैं।

नवरात्रि जैसे पवित्र पर्व पर इन कर्मयोगियों को सम्मानित कर परिषद ने समाज में उनकी सेवाओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट की है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी जितेन्द्रसिंह पोरस ने अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सफाई कर्मी हमारे समाज का आधार स्तंभ हैं। उन्हें सम्मान देकर परिषद ने सामाजिक समरसता की एक नई मिसाल पेश की है। ऐसे आयोजनों से समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और परस्पर सम्मान की भावना बलवती होती है। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ अम्बे की महाआरती के साथ हुआ। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष विनोद जाट, जिला महामंत्री गोपालसिंह राजावत, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर, श्यामलाल शर्मा, डॉ. अमोध बिहारी सक्सेना, मनोज माहेश्वरी, संजय जोशी, कैलाश मालवीय, बंशीलाल मालवीय, संदीप कच्छारा, कल्याणसिंह चौहान, मनोज शर्मा, कमलेश मेहता, मंदिर समिति के अध्यक्ष दीपक तोमर, अजय सोनगरा, गजेन्द्र जोशी, आयुष सक्सेना, ओमप्रकाश मिश्रा, जितेन्द्र पामेचा, रितुराजसिंह उपस्थित थे।

गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेंद्रसूरीश्वरजी म.सा. के 200वें युगोत्सव के अंतर्गत सुराणा परिवार ने की गुरु आराधना

मंदसौर। गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेंद्रसूरीश्वरजी म.सा. के 200वें जन्मोत्सव (युगोत्सव) के अंतर्गत घर-घर में गुरुदेव आराधना का आयोजन श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद के तत्वाधान में किया जा रहा है। । इसमें श्री संघ के श्रावक एवं श्राविकाओं ने बड़े ही उत्साह के साथ सुराणा परिवार के संस्थान 'शिशुवन' (सहकारी बाजार रोड) पर पधारकर गुरुदेव के गुरु गुण इक्कीसा का पाठ एवं स्तवन कर गुरुदेव की भक्ति एवं आरती कर आराधना की। लाभार्थी परिवार से निर्मल कुमार, विजय कुमार, विकास , पंकज, मयूर, आदित्य, विहान एवं गौरव सुराणा ने गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण व नवकार महामंत्र का स्मरण कर आरती की।

उक्त जानकारी देते हुए परिषद अध्यक्ष अजय फाफरिया एवं महामंत्री कमलेश सालेचा ने कहा कि गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेंद्रसूरीश्वर महाराज साहेब का जन्म भरतपुर (राजस्थान) में सप्तमी को हुआ था तथा सप्तमी को ही आपने अपना नश्वर शरीर राजगढ़ की भूमि पर त्यागा था और राजगढ़ के समीप ही मोहनखेड़ा में आपका समाधि मंदिर बना है। अतः आने वाले वर्ष 2027 में गुरुदेव का 200वाँ जन्मदिन (युगोत्सव) है। इसी उपलक्ष्य में परिषद द्वारा पूरे वर्ष भर प्रत्येक सप्तमी पर ये कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।



इस अवसर पर अ.भा. श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधीर लोढ़ा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रेयांश हिंगड़, त्रिस्तुतिक श्री संघ अध्यक्ष गजेंद्र हिंगड़, परमस्पर्श चातुर्मास समिति अध्यक्ष मनोहर सोनगरा, परिषद अध्यक्ष अजय कुमार फाफरिया, मूर्तिपूजक श्री संघ अध्यक्ष संजय जैन, श्वेतांबर गोपाल कृष्ण गौशाला अध्यक्ष संजय लोढ़ा, जैन सोशल ग्रुप अध्यक्ष राजेंद्र नाहर, श्रेयांशनाथ मंदिर अध्यक्ष हस्तीमल नाहर, परिषद के उपाध्यक्ष रोहित संघवी, नितेश पोरवाल, धर्मेंद्र कर्णावत, महामंत्री कमलेश सालेचा, सह-कोषाध्यक्ष जयेश डांगी, अपूर्व डोसी, मनीष सगरावत, अजय चपरोत, दिलीप कर्णावत, हरीश चपरोत, अशोक कर्णावत, प्रदीप हिंगड़, अनिल चौधरी, एवं महिला मंडल उपस्थित थे।

खानपुरा क्षेत्र वार्ड क्र. 32 और 33 में 32 लाख रु. के दो निर्माण कार्यों का हुआ भूमिपूजन

मंदसौर। सोमवार को नगर परिषद मंदसौर के द्वारा खानपुरा क्षेत्र वार्ड क्र. 32 एवं 33 में दो अलग अलग स्थानों पर विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। वार्ड क्र. 32 में तीन छत्री बालाजी मंदिर के पास मिट्टी के कटाव को रोकने के लिये बनायी जाने वाली रिटेनिंग वाल (लागत 22 लाख रु.) एवं वार्ड क्रमांक 33 अशोक नगर में पेवर ब्लॉक निर्माण (लागत 9.54 लाख रु.) का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्यसभा सांसद व भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर के मुख्य आतिथ्य, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में भागवताचार्य पं. विष्णु शर्मा, तीन छतरी बालाजी मंदिर के महंत रामकिशोरदासजी महाराज विशेष रूप से शामिल हुये। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री महेश जुनवाल, भाजपा मण्डल अध्यक्ष विनोद डगवार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील जैन महाबली, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतेश चावला, भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष धीरज पाटीदार, भाजपा जिला मंत्री पुलकित पटवा, पूर्व भाजपा जिला कोषाध्यक्ष राजू चावला, पूर्व जिला महामंत्री विजय अठवाल भी शामिल हुये। इस अवसर पर नपा लोक निर्माण सभापति निर्मला चंदवानी, क्षेत्रीय पार्षद कमलेश सिसौदिया, भावना जयप्रकाश पमनानी, नपा सभापति सांसद प्रतिनिधि मुकेश खमेसरा, नपा सभापतिगण दीपमाला रामेश्वर मकवाना, रमेश ग्वाला, पार्षद बब्बन युसुफ गौरी, आशीष गौड एडवोकेट, शहजाद पटेल, दलपतसिंह डांगी, दीपक गाजवा, अशोक कर्नावट, संजय पंवार, पार्षद प्रतिनिधि बब्बू पमनानी, तीन छतरी बालाजी मंदिर के अशोक भावसार भी उपस्थित थे ।

रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने ढोल की थाप पर डांडिया और गरबा की प्रस्तुतियां दीं

'द शिशुवन वर्ल्ड स्कूल' में नवरात्रि और विजयदशमी का पर्व मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर



नवरात्रि एवं विजयादशमी के इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिसर पूरी तरह से भक्ति के रंगों और बच्चों के उत्साह से सराबोर नजर आया। माँ शक्ति की आराधना और गरबा-डांडिया उत्सव का शुभारंभ प्रधानाचार्य अभिषेक श्रीवास्तव एवं उपप्राचार्य अर्जुन सिंह राठौर द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन और माँ दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना के साथ किया गया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने ढोल की थाप पर डांडिया और गरबा नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय हो गया। रामायण के जीवंत पात्र और लघु नाटिका में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण जी और संकटमोचन हनुमान की मनमोहक वेशभूषा धारण की। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई लघु रामलीला और सांस्कृतिक झांकियों ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों का मन मोह लिया।इस पावन अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन विजय सुराना ने समस्त छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और शिक्षक शिक्षिकाओं को नवरात्रि व विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उन्होंने अपने संदेश में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए कहा कि, ₹विद्यार्थी जीवन ही वह आधारशिला है जहाँ श्रेष्ठ चरित्र और उच्च आदर्शों का निर्माण होता है। इसी क्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य अभिषेक श्रीवास्तव ने भी सभी को पर्व की बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में कहा, त्योहार केवल उत्सव मनाने का जरिया नहीं हैं, बल्कि यह पर्व हमें अपनी जड़ों और उच्च नैतिक मूल्यों से जोड़ते हैं। भगवान श्रीराम का जीवन हमें मर्यादा, धैर्य और सदाचार की सीख देता है। विद्यालय प्रबंधन से चेयरमैन विजय सुराणा एवं निदेशक मयूर सुराणा तथा आदित्य सुराणा ने इस सफल आयोजन पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और उच्च नैतिक मूल्यों से जोड़ना है, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

खबर संक्षेप

पंकज शर्मा जिला कांग्रेस प्रवक्ता नियुक्ति

सीहोर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की सहमति से जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने सीहोर जिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया है। इस बार कांग्रेस संगठन ने जंबो जेट के बजाय छोटी कार्यकारिणी बनाने के निर्देश दिए थे, जिसके चलते अध्यक्ष सहित कुल 52 लोगों को ही कार्यकारिणी में जगह मिल सकी है। नवीन कार्यकारिणी में अनुभव एवं युवा शक्ति का पर्याप्त संतुलन रखा गया है। इस कार्यकारिणी में सीहोर के युवा एवं सक्रिय नेता पंकज शर्मा को प्रवक्ता पद की बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पंकज शर्मा पार्टी के दिये निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करते हैं और पार्टी हित में सक्रिय रहकर सभी मंचों पर पूरी ताकत के साथ पार्टी का पक्ष रखते हैं। उनकी इसी सक्रियता और कार्यकुशलता को देखते हुए उनको प्रवक्ता पद की जिम्मेदारी दी गई है। पंकज शर्मा के प्रवक्ता बनने से पूरे जिले के कांग्रेसजनों में हर्ष व्याप्त है। उनकी नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. बलबीर तोमर, पूर्व विधायक रमेश सक्सेना, पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, शैलेन्द्र पटेल, कैलाश परमार, हरपाल ठाकुर, महेश राजपूत, विक्रम मस्ताल शर्मा, विनीत सिंघी, मीना सिंघी, गुलाब बाई ठाकुर, अभय मेहता, राहुल यादव, पवन राठौर, घनश्याम यादव, निशांत वर्मा, शशांक सक्सेना, सतीश दरोठिया, डॉ. हर्ष गुप्ता, कपिल गौर, कपिल सूर्यवंशी, आसिफ अंसारी, जय सिंह भारती, राजेश रैकवाल, अरुण मालवीय, अजय रैकवार, हर्षदीप राठौर, देवेंद्र ठाकुर बोरदी, मनीष मेवाड़ा, हरिओम सिसोदिया, विवेक टांक आदि कांग्रेसजन शामिल हैं।

आज मनेगा असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयदशमी

राम और रावण के युद्ध के साथ नया दशहरा मैदान पर 71 फीट और अलीपुर में 51 फीट के रावण का होगा दहन





भाऊ बाबा मंदिर से शुरू होगा विजय दशमी का चल समारोह, रेजर शो और राव-रावण युद्ध भी होगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

आष्टा में दशहरे की तैयारियां जारी हैं। आष्टा और अलीपुर की हिंदू उत्सव समिति के नेतृत्व में इस साल नया दशहरा मैदान में 71 फीट ऊंचे रावण का और अलीपुर में 52 फीट के पुतले का दहन किया जाएगा। आयोजन के तहत अलीपुर, पुराने दशहरा मैदान और कन्नौद रोड स्थित नए दशहरा मैदान में भी रावण दहन के कार्यक्रम रखे गए हैं। पुतले का निर्माण अंतिम चरण में है। इसके साथ ही झांकियों, चल समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां भी की जा रही हैं।

मंचों पर होगा राम-रावण युद्ध

आयोजन स्थल पर दो मंच बनाए गए हैं। इनमें से एक मंच पर राम-रावण युद्ध का मंचन होगा, जबकि दूसरे मंच पर अतिथियों



के बैठने की व्यवस्था रहेगी। शाम 6:30 बजे से आतिशबाजी और राम-रावण युद्ध का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके बाद लेजर शो और रावण दहन होगा। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष भूरू मुकाती ने बताया कि दशहरा उत्सव की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मैदान पर राम रावण युद्ध के साथ आकर्ष आतिशबाजी की जाएगी।

दोपहर 12 बजे निकलेगा चल समारोह

दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष मोहित सोनी के अनुसार, विजयदशमी का चल समारोह 20 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे भाऊबाबा मंदिर चौराहे से शुरू होगा। इससे पहले भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान आदि का विजय तिलक किया जाएगा , वही अलीपुर में विजयदशमी उत्सव समिति अध्यक्ष राजकुमार मालवीय के नेतृत्व में 51 फुट का रावण दहन होगा । वही शाम को रावण दहन से पूर्व अतिथियों का सम्मान किया जाएगा। चल समारोह में बैंड-बाजे, ढोल और अखाड़ों के साथ करीब 20 से 25 क्षेत्रों के कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। ये कलाकार समारोह में प्रस्तुतियां देंगे। चल समारोह भाऊबाबा मंदिर चौराहे से शुरू होकर बुधवारा, परदेसीपुरा, अस्पताल चौराहा, पुराना बस स्टैंड, भवानी चौक, बड़ा बाजार और सिकंदर बाजार से होते हुए गांधी चौक पहुंचेगा। इसके बाद जुलूस पुराने दशहरा मैदान पहुंचेगा, जहां रावण दहन का कार्यक्रम रखा गया है। वहां से चल समारोह कन्नौद रोड स्थित नए दशहरा मैदान पहुंचेगा। यहां आतिशबाजी, लेजर शो, राम-रावण युद्ध सहित अन्य कार्यक्रमों के बाद रावण दहन किया जाएगा।

सम्यकदर्शन आत्मकल्याण की पहली सीढ़ी, मिथ्यादृष्टि से नहीं मिलती तत्वों की सही पहचानः मुनी सागर महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

आत्मकल्याण और मोक्षमार्ग पर आगे बढ़ने के लिए जीवन में सम्यकदृष्टि, सम्यकज्ञान और सम्यकचारित्र को अपनाना आवश्यक है। रत्नात्रय धर्म की प्राप्ति के लिए त्याग और संयम का मार्ग स्वीकार करना पड़ता है। संसार के मोह-माया और सांसारिक आकर्षणों से ऊपर उठकर आत्मा के वास्तविक स्वरूप को समझने का पुरुषार्थ करना होता है।

सम्यकदर्शन सहज ही प्राप्त होने वाली उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मजागृति, सही श्रद्धा और आध्यात्मिक पुरुषार्थ का परिणाम है। यह प्रेरक आशीष वचन समाधि सम्राट वात्सल्य रत्नाकर मुनिराज भूतबलि सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि सागर महाराज ने श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मुनिश्री ने जैन दर्शन के महत्वपूर्ण सिद्धांतों को स्पष्ट करते हुए धर्म के प्रति जागरूकता, आत्मचिंतन और संयमित जीवन अपनाने की प्रेरणा दी। म

नि सागर महाराज ने कहा कि सम्यँकदृष्टि जीव को ही सम्यकदर्शन की प्राप्ति होती है, मिथ्यादृष्टि जीव को नहीं। सम्यकदृष्टि का अर्थ केवल धार्मिक क्रियाएं करना नहीं, बल्कि सत्य तत्वों के प्रति सही श्रद्धा और दृष्टिकोण विकसित करना है। जब तक जीव की दृष्टि सही नहीं होगी, तब तक उसके ज्ञान और आचरण को भी सही दिशा नहीं मिल सकती। जैन दर्शन में सम्यकदर्शन, सम्यकज्ञान और सम्यकचारित्र को रत्नात्रय कहा गया है। ये तीनों मोक्षमार्ग के आधार हैं। सम्यकदर्शन तत्वों के प्रति सही श्रद्धा, सम्यक ज्ञान उनका यथार्थ बोध और सम्यकचारित्र उस समझ के अनुरूप जीवन जीने का मार्ग है। इन तीनों का समन्वय ही साधक को आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ाता है। मुनिश्री ने कहा कि सम्यकदृष्टि वाले जीव का लगाव सम्यकदृष्टि और सम्यक विचारों के प्रति रहता है। व्यक्ति को अपने जीवन में यह विचार करना चाहिए कि उसकी रुचि किस ओर है और उसकी दृष्टि किस दिशा में जा रही है। यदि मन निरंतर सांसारिक आकर्षणों, मोह और विषय-वासनाओं में उलझा रहेगा, तो आत्मचिंतन के लिए अवसर कम होता जाएगा। जैन सिद्धांत के अनुसार, मिथ्यात्व जीव को तत्वों के वास्तविक स्वरूप को समझने से रोकता है, जबकि सम्यकदर्शन आत्मा और धर्म के प्रति सही श्रद्धा का मार्ग प्रशस्त करता है।

इसलिए अपने विचारों, मान्यताओं और व्यवहार की समीक्षा करते हुए सत्य को समझने का प्रयास करना चाहिए। केवल बाहरी धार्मिक गतिविधियां पर्याप्त नहीं हैं, उनके साथ भीतर भी सही दृष्टि और श्रद्धा का विकास होना आवश्यक है। मुनि सागर महाराज ने कहा कि रत्नात्रय धर्म और को प्राप्त करने के लिए घर-परिवार सहित सांसारिक बंधनों का त्याग कर संयम का मार्ग अपनाया जाता है। साधु जीवन का उद्देश्य आत्मकल्याण और मोक्षमार्ग की साधना है। त्याग का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसके साथ आत्मसंयम, वैराग्य और आत्मा के प्रति जागरूकता भी हो।

बागवान समाज का प्रतिनिधित्व करेंगे राकेश, प्रशांत

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



नगर के शास्त्री स्कूल के पास स्थित परसराम कॉम्प्लेक्स में सकल हिंदू समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा, पूर्व पार्षद के कार्यालय पर राकेश प्रशांत बागवान पिता श्री राम सिंह बागवान के सकल हिंदू समाज में बागवान माली समाज का प्रतिनिधित्व करने पर स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर सकल हिंदू समाज के पदाधिकारियों एवं बागवान माली समाज के सदस्यों ने पुष्पमाला पहनाकर एवं साफा बांधकर उनका आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में सकल हिंदू समाज के संरक्षक प्रेमनारायण शर्मा, संयोजक मुकेश नामदेव, सचिव मनीष डोंगरे , अचल किरार,एवं मोंटू कौरी ने राकेश प्रशांत बागवान का स्वागत-सम्मान किया। इस अवसर पर सकल हिंदू समाज के विधि सलाहकार सुनील कचनेरिया, अमरचंद कुशवाहा पटेल, मां पार्वती धाम गौशाला समिति के कोषाध्यक्ष संजय सुराणा, शुभम कुशवाहा सहित बागवान माली समाज के पटेल बाबूलाल बागवान, राकेश माली, हंसराज माली, महेश माली, हेमराज माली सहित समाजजन उपस्थित रहे।स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए सकल हिंदू समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि सकल हिंदू समाज का उद्देश्य सभी समाजों को साथ लेकर चलना, आपसी भाईचारे को मजबूत करना तथा सामाजिक एकता और समरसता को बढ़ावा देना है। सकल हिंदू समाज सभी समाजों को सम्मान और उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राकेश प्रशांत बागवान समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाते हुए सामाजिक एकता को मजबूत करने में अपना योगदान देंगे।समाजहित में समर्पित भाव से कार्य करूंगा : राकेश प्रशांत बागवानइस अवसर पर राकेश प्रशांत बागवान ने सकल हिंदू समाज के पदाधिकारियों एवं उपस्थित समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें बागवान माली समाज का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया गया है, यह उनके लिए गौरव की बात है।

वे समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता, आपसी सहयोग, भाईचारे और समरसता को बढ़ावा देना उनकी प्राथमिकता रहेगी। सकल हिंदू समाज के साथ मिलकर धार्मिक, सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएंगे तथा सभी समाजों को साथ लेकर चलने का प्रयास करेंगे।

मंदिरों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ भौरासा

शारदीय नवरात्रि के चलते भौरासा नगर के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। नगर में रानी दमयंती तालाब की पाल पर स्थित शक्ति माता मंदिर, भौरासा फाटा रोड स्थित लाल माता मंदिर, छिपा मोहल्ला स्थित मां अंबिका मंदिर और अन्नपूर्णा चौक स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। नगर के अन्नपूर्णा चौक स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर की विशेष मान्यता है। यहां मां अन्नपूर्णा, मां लक्ष्मी और मां कालिका की प्रतिमाएं स्थापित हैं।



तीनों स्वरूपों के दर्शन के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। नवरात्रि के इन नौ दिनों में श्रद्धालु अपनी-अपनी श्रद्धा और मान्यता के अनुसार मां की आराधना कर रहे हैं। कुछ श्रद्धालुओं ने मौन व्रत धारण किया है और बोलने के बजाय कागज पर लिखकर अपनी बात दूसरों तक पहुंचा रहे हैं। भक्तों की ऐसी विविध साधनाएं नगर में चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

महानवमी हुए कन्या भोज, हवन पूजन



जावर। नवमी के दिन मंदिरों पांडालों में हुए कन्या भोज एवं हवन पूजन ग्राम खुटखेडा में भी नव दुर्गा उत्सव समिति द्वारा कन्या भोजन कराया गया और महाप्रसादी का वितरण किया गया आते जाते को महाप्रसादी वितरण की गई उसके पश्चात हवन पूजन भी हुआ।

सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति 20 को करेगी भंडारा



हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

महिदपुर रोड नगर में शारदीय नवरात्रि पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मां अंबे की आराधना में श्रद्धालु लीन हैं। नगर में जगह-जगह माता रानी के दरबार सजाए गए हैं, जहां प्रतिदिन श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। विशेष नवदुर्गा उत्सव समिति के प्रांगण में महाआरती के पश्चात पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित महिलाएं एवं युवतियां डांडिया और गरबा रास के माध्यम से मां अंबे की भक्ति कर रही हैं। धार्मिक भजनों की मधुर धुन पर श्रद्धालु उत्साह और उमंग के साथ गरबा-डांडिया में भाग लेकर नवरात्रि पर्व की खुशियां मना रहे हैं। पूरे नगर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। नगर के सामाजिक कार्यकर्ता सचिन भंडारी ने बताया कि 20 अक्टूबर को होगा विशाल भंडारा सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति एवं नगरवासियों के सहयोग से 20 अक्टूबर को शाम 5 बजे विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होकर भोजन महाप्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त करेंगे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति एवं नगरवासियों के सहयोग से भंडारे का विशाल आयोजन किया जाता है नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस भंडारे के माध्यम से श्रद्धालु मां अंबे का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। समिति द्वारा सभी धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से आयोजन में शामिल होकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया गया है।

प्राचीन माता मंदिर में महाआरती के दौरान पहुंचे हजारों श्रद्धालु

महाप्रसादी का लगाया भोग, माता का किया आकर्षक श्रृंगार

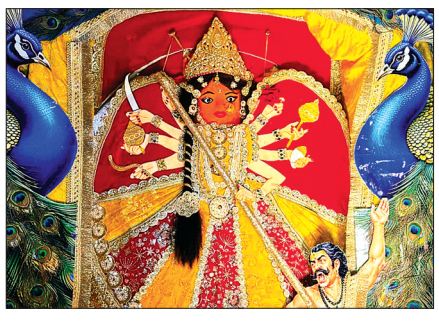

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

नगर मे नवरात्रि के पर्व के अंतिम दौर मे महाआरती के आयोजन हो रहे है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी माँ महिषासुर मर्दिनी माता मंदिर मे रविवार को महाअष्टमी के अवसर पर महाआरती का आयोजन रखा गया। जिसमे महिला-पुरूष, श्रद्धालु-भक्तजन हजारो की सख्या में शामिल हुए। महाआरती शाम 7:30 बजे प्रारंभ हुई जो



लगभग एक घंटे तक चली इस दौरान तासे, ढोल-ढमाके, नगाढे, घंटी की ध्वनि से नगर गुंजामय हो गया। माता का विशेष श्रृंगार कर पूजा अर्चना की गई। पूरा मंदिर परिसर से लेकर गांधीचौक तक विशेष रूप से साज-सज्जा की गई। इसके पश्चात महाप्रसादी का महाभोग लगाकर महाप्रसाद वितरण किया गया। महाआरती में नगर सहित क्षेत्र के हजारो श्रद्धालु उपस्थित थे। इस वर्ष 5 क्विंटल प्रसाद बनाया गया था। महाप्रसादी का वितरण रात्रि 12 बजे तक चला। महाअष्टमी के अवसर पर आयोजित महाआरती पर सम्पुर्ण मंदिर परिसर को सजाया गया। मंदिर परिसर में साज सज्जा आर्कषक का केन्द्र बनी। वहीं रविवार शाम को प्राचीन माता मंदिर में हुई आयोजित महाआरती को सफल बनाने मे सहयोग प्रदान करने पर महाआरती समिति एवं मॉ महिषासुर मर्दिनी शक्ति संगठन ने सभी श्रद्धालुओ एवं कार्यकर्ताओ व प्रशासनिक अधिकारी सहित पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

विधायक ने कि 11 लाख कि घोषणा

नगर के प्राचीन माता मंदिर में महाआरती के दौरान क्षेत्रिय विधायक गोपालसिंह इंजीनियर भी उपस्थित हुए। इस दौरान समिति के लोगो ने मंदिर के जिर्णोद्धार के लिए एक मांग पत्र सोपा। विधायक श्री इंजीनियर द्वारा 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस दौरान समिति के लोगो द्वारा विधायक एवं देवलाखन धाम के मांगीलाल पडियार का भी समिति द्वारा स्वागत किया गया।